हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, बुधवार 5 मार्च 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

रोड पर खड़े वाहन 6 तक हटाएं अन्यथा किए जाएंगे राजसात

मण्डला। मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगरपालिका परिषद मंडला से मिली जानकारी के अनुसार नगर के व्यस्त मार्ग कलेक्ट्रेट रोड एवं सैयद हैदर रजा मार्ग पर लम्बे समय से पुराने वाहन खड़े हैं। इस संबंध में नगरपालिका से जारी सूचना में स्पष्ट किया गया है कि बैगा-बैगी चौरहा से कलेक्ट्रेट रोड एवं योजना भवन के सामने सैयद रजा मार्ग पर खड़े पुराने दोपहिया एवं चार पहिया वाहनों के मालिक गुरूवार 6 मार्च 2025 प्रातः 8 बजे तक ले जावें। गुरूवार सुबह 8 बजे के पश्चात वाहनों की राजसात करने की कार्यवाही की जावेगी।

सात बकायादारों को कुर्की पूर्व सूचना वारंट जारी

मण्डला। न्यायालय तहसीलदार मंडला द्वारा तहसील के तीन पंचायतों के सात बकायादारों को कुर्की पूर्व सूचना वारंट जारी किया गया है। न्यायालय तहसीलदार से मिली जानकारी के अनुसार इन बकायादारों पर भू-राजस्व, पंचायत उपकर, शाला उपकर, डायवर्सन, भू-भाटक की राशि बकाया होने पर मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 के अंतर्गत धारा 147 (क), 147 (ख), 147 (ख-ख), 147 (ख-ख-ख) एवं 147 (ग) में निहित प्रावधानों के तहत कुर्की पूर्व सूचना वारंट जारी किए गए हैं। बकायादार दीपक इसरानी/गोपाल दास टिकरिया, जगत मरावी पिता गुलाब सिंह टिकरिया, जवाहर सिरवानी/हरदास टिकरिया, अनिल वीरानी/भोजराज देवरीदादर, महेन्द्र पमनानी/नरेश देवरीदादर, मयंक/बाबूलाल साहू कटरा, अरिहंत मेगा स्ट्रक्चर्स प्राईवेट लिमिटेड मृदुला काल्पीवार कटरा को तीन दिवस का समय दिया गया है। निर्धारित समयावधि में बकाया राशि जमा न किए जाने पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

तत्कालिक बीआरसी वित्तीय अनियमितताओं के पाये गये दोषी

शिथिलता से हो रही जांच पर कार्यवाही

*** जिला शिक्षा केन्द्र आरोपों के घेरे में।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग मण्डला द्वारा तत्कालीन बीआरसी मवई और बीजाडांडी को वित्तीय अनियमितताओं के संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। यह नोटिस मध्यप्रदेश मानवाधिकार आयोग भोपाल को भेजी गई शिकायत के आधार पर जारी किया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि जिला शिक्षा केंद्र मण्डला में छात्रावास संचालन में अनियमितताएँ हुई हैं और तत्कालीन बीआरसी मवई तथा बीजाडांडी द्वारा राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के खाते में राशि वापस नहीं की गई। इसके बाद, इस मामले की जांच प्रारंभ की गई थी, जिसके परिणामस्वरूप यह गंभीर मामला सामने आया।

जांच में यह पाया गया कि वित्तीय वर्ष 2020-21 और 2021-22 के दौरान शाला प्रबंधन समितियों को दी गई राशि का अधिकांश हिस्सा विभागीय नियमों के विपरीत खर्च किया गया था। जिला पंचायत मण्डला ने इस मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच दल का गठन किया था। जांच दल ने अपनी रिपोर्ट जिला शिक्षा केंद्र मण्डला के कार्यालय को सौंपी, जिसमें अनियमितताओं के संबंध में कुछ गंभीर तथ्य सामने आए।

जांच रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2020-21 में विकासखंड मवई को 18,75,800 रुपये और 2021-22 में 2,69,022.77 रुपये की राशि दी गई थी। इस राशि में से 18,06,017.77 रुपये राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल को वापस किए गए, लेकिन 3,38,805 रुपये का दुरुपयोग किया गया। यह राशि विभाग के बैंक खाते में जमा नहीं की गई, जो कि शासकीय राशि का दुरुपयोग है। इसी तरह, विकासखंड बीजाडांडी को वर्ष 2020-21 में 21,92,748 रुपये और 2021-22 में 10,28,565 रुपये की राशि दी गई थी। कुल मिलाकर यह राशि 32,21,313 रुपये होती है, जिसमें से 27,51,513 रुपये वापस किए गए, जबकि 4,69,800 रुपये का दुरुपयोग किया गया और यह राशि विभाग के बैंक खाते में जमा नहीं की गई।

इस मामले में संबंधित अधिकारियों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए गए हैं, जो म.प्र. सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के तहत कदाचरण की श्रेणी में आते हैं। इन आरोपों के आधार पर म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के तहत कार्रवाई की सिफारिश की गई है। साथ ही, चेतावनी जारी करते हुए इन अधिकारियों को तीन दिन के भीतर अपनी सफाई प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है। यदि निर्धारित समय सीमा में उनका जवाब नहीं मिलता, तो एकतरफा निर्णय लेकर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

यह कदम शासन द्वारा निर्धारित नियमों और निर्देशों के उल्लंघन पर उठाया जा रहा है, ताकि शासकीय धन का सही तरीके से उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। विभागीय नियमों के उल्लंघन और अनियमितताओं की इस जांच को लेकर कई महत्वपूर्ण सवाल खड़े हो रहे हैं। जिला शिक्षा केंद्र के अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं, जिनका नाम जांच रिपोर्ट में कहीं नहीं आया है। यह सवाल तब और भी प्रकट होता है, जब यह स्पष्ट है कि संबंधित विकासखंडों के प्रभारी बीआरसीसी और जॉइंट सिग्नेचर वाले अधिकारी सीधे तौर पर इस वित्तीय अनियमितता में शामिल थे।

राम सिंह पंद्रे द्वारा राज्य मानवाधिकार आयोग में दो बिंदुओं के तहत शिकायत की गई थी। पहला बिंदु छात्रावास में हुई अनियमितता की जांच से संबंधित था, जबकि दूसरा बिंदु जिला शिक्षा केंद्र में राशि वापस न करने के संबंध में था। हालांकि, जांच केवल दूसरे बिंदु पर की गई है और छात्रावास में हुई अनियमितताओं को लेकर कोई स्पष्ट कार्रवाई नहीं हुई।

मध्यप्रदेश जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारियों द्वारा सहायक आयुक्त आदिवासी विकास के पास भेजी गई जांच रिपोर्ट के बाद, यह बताया जा रहा है कि पुनः जांच की आवश्यकता है साथ ही फाइल डीपीसी से अभिमत हेतु जिला शिक्षा केन्द्र भेजी गयी है। इससे यह प्रतीत होता है कि मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है। ऐसे में, यह जरूरी है कि इन वित्तीय अनियमितताओं पर तत्काल प्रभाव से कार्यवाही की जाए, ताकि सरकारी धन का सही तरीके से उपयोग हो और संबंधित अधिकारियों को जवाबदेह ठहराया जा सके।

इस मामले में अधिक गंभीरता से जांच की आवश्यकता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भविष्य में ऐसी अनियमितताएँ न हों और शासन के निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन किया जाए। इसके अलावा, यह भी महत्वपूर्ण है कि अन्य उच्च अधिकारियों और जिला शिक्षा केंद्र के कर्मचारियों को इस जांच के दायरे में लाकर मामले को पूरी तरह से स्पष्ट किया जाए।

यह कार्यवाही शासन द्वारा म.प्र. सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के अंतर्गत की जा रही है, ताकि दोषी अधिकारियों को दंडित किया जा सके और वित्तीय अनियमितताओं से जनता का धन बचाया जा सके।

इनका कहना है :-

सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग से उक्त प्रकरण की जांच रिपोर्ट मेरे अभिमत हेतु इस कार्यालय को भेजी गयी है, जल्द ही मे अपना अभिमत सहायक आयुक्त को भेजूंगा। ताकि अग्रिम कार्यवाही हो सके।

-अरविंद विश्वकर्मा, डीपीसी, मण्डला

नवीन निजी नलकूपों के खनन पर 31 जुलाई 2025 तक प्रतिबंध

*** ग्रीष्मकाल में संभावित पेयजल संकट के मद्देनजर जारी किया गया आदेश।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री सोमेश मिश्रा ने ग्रीष्मकाल में पेयजल संकट की संभावना को देखते हुये नवीन निजी नलकूपों के खनन पर 31 जुलाई 2025 तक प्रतिबंध लगा दिया है। जिला दण्डाधिकारी जिला मण्डला मध्यप्रदेश पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 तथा संशोधन अधिनियम 2002 (अधिनियम) की धारा-3 के अंतर्गत मण्डला जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों को जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित किया गया है। जिले में निरंतर भू-जल की गिरावट को दृष्टिगत रखते हुये अधिनियम की धारा-6(1) के अंतर्गत सम्पूर्ण जिले में अशासकीय व निजी नलकूप खनन करने पर प्रतिबंध लगाया गया है। मण्डला जिले की सीमा क्षेत्र की सीमा में नलकूप/बोरिंग मशीन संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) की अनुमति के बिना न तो प्रवेश करेगी (सार्वजनिक सडकों से गुजरने वाली मशीनों को छोड़कर) और न ही बिना अनुमति के कोई नया नलकूप खनन किया जाएगा। प्रत्येक राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों को ऐसी बोरिंग मशीनों जो अवैध रूप से जिले में प्रतिबंधित स्थानों पर प्रवेश करेगी अथवा नलकूप खनन/बोरिंग का प्रयास कर रही है, ऐसी मशीनों को जप्त कर में एफ.आई.आर. दर्ज कराने का अधिकार होगा। समस्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को उनके क्षेत्रान्तर्गत इस निमित्त अपरिहार्य प्रकरणों के लिए व अन्य प्रयोजनों हेतु उचित जांच के पश्चात अनुज्ञा देने हेतु प्राधिकृत किया गया है। इस अधिसूचना का उल्लंघन करने पर अधिनियम की धारा-9 के अनुसार दो वर्ष तक के कारावास या दो हजार रूपये तक का जुर्माना या दोनों से दण्डित करने का प्रावधान है। उपरोक्त आदेश शासकीय योजनाओं के अंतर्गत किये जाने वाले नलकूप उत्खनन पर लागू नही होगा तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा कार्ययोजनान्तर्गत नलकूप खनन का कार्य कराया जा सकेगा, इस हेतु उपरोक्तानुसार अनुज्ञा प्राप्त किया जाना आवश्यक नहीं होगा। नवीन खनित निजी नलकूप एवं अन्य विद्यमान निजी जलस्त्रोतों का आवश्यकता होने पर सार्वजनिक पेयजल व्यवस्था हेतु अधिनियम की धारा-4 के अंतर्गत अधिग्रहण किया जा सकेगा। यह आदेश 4 मार्च 2025 से लागू होगा और 31 जुलाई 2025 तक प्रभावशील रहेगा।

आवासीय विद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

नारायणगंज। एकलव्य आदर्श आवासी ए विद्यालय नारायणगंज में सीबीएससी पाठ्यक्रम इंग्लिश मीडियम सत्र 2025 26 में अनुसूचित जनजाति छात्रों को कक्षा छठवीं में प्रवेश के लिए 12 सीट बालकों 12 सेट बालिकाओं के लिए उपलब्ध है प्रवेश के लिए ऑनलाइन पर आवेदन कर सकते हैं आवेदन की प्रारंभिक तिथि 18 फरवरी अंतिम तिथि 10 मार्च 2025 एवं प्रवेश पत्र डाउनलोड करने की प्रारंभिक स्थिति 12 मार्च तथा प्रवेश परीक्षा की तिथि 30 मार्च है प्रिंसिपल मनोज कुमार द्वारा बताया गया समय पर आवेदन जमा कर एवं तिथि पर ध्यान रखते हुए आवेदन करें।

टिकरिया थाने में शांति समिति बैठक हुई संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

जनपद पंचायत नारायणगंज के थाना टिकरिया में शांति समिति की बैठक बुलाई गई जिसमें मार्च में होली गुड़ी पावड़ा एवं रमजान माह संबंधी बैठक बुलाई गई टी आई गोपाल घोसले ने कहा की होली का त्यौहार शांतिपूर्ण तरीके से मनाने एवं आसपास क्षेत्र में बाहर से आए हुए व्यक्ति की जानकारी थाने में देवें होली में असामाजिक तत्वों के द्वारा उपद्रव एवं बोर्ड परीक्षा में डीजे का प्रतिबंध लगाया गया जो भी व्यक्ति रात्रि में डीजे का उपयोग करेगा उसे पर सख्त कार्रवाई की जाएगी बैठक में पहुंचे लोगों ने बस स्टैंड में अवस्था की जानकारी तहसीलदार को दी जिसमें उन्होंने शीघ्र ही कार्यवाही करने के लिए कहा जो भी इस कार्यालय कार्यवाही में व्यवधान उत्पन्न करेगा उसके ऊपर कानूनी कार्यवाही की जावेगी शांति समिति बैठक में टीआई गोपाल घोंसले तहसीलदार नितिन गौड़ रतन सिंह ठाकुर मंडल अध्यक्ष किशन तेकाम राजेश सोनी गया चक्रवर्ती विपिन छत्रपाल सोनी बलराम साहू महताब रहीम भाई जान पत्रकार मनोज सोनी राजेश सोनी बंटी सिंगरौर जिला पंचायत सदस्य भूपेंद्र आसपास सरपंचों में अर्जुन सिंह चंदेहरा पंचायत के सरपंच फूलाबाई ग्राम पंचायत कुड़ामैली के ग्राम पंचायत मानेगांव के सरपंच एवं आसपास की सभी सरपंच शांति समिति बैठक में उपस्थित हुए।

निर्देश | **जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक में कलेक्टर ने दिये निर्देश।**

शेष लक्ष्य 15 मार्च तक पूर्ण करें-कलेक्टर

*** हितग्राही मूलक योजनाओं की हुई समीक्षा।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें रोजगारमूलक योजनाओं, किसान क्रेडिट कार्ड तथा बैंक लिंकेज आदि पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। जिला योजना भवन में संपन्न हुई इस बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट, एलडीएम सुजय कुमार, भारतीय रिजर्व बैंक के प्रबंधक (एलडीओ) श्री विनय मोरे, जिला प्रबंधक नाबार्ड देवब्रत पाल सहित संबंधित विभागों के प्रमुख एवं सभी बैंकों के जिला समन्वयक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने कहा कि सभी विभाग अपनी योजनाओं के शेष लक्ष्य 15 मार्च तक पूर्ण करें। सभी संबंधित अधिकारी बैंक शाखा में योजना के लंबित प्रत्येक प्रकरण की पूरी डीटेल रखें और स्वयं फॉलोअप करें। सभी बैंक अपनी शाखावार आगामी वित्त वर्ष के लिए अपना एनुअल क्रेडिट प्लान बनाकर एलडीएम को सबमिट करें। रोजगारमूलक योजनाओं के प्रकरणों में बैंकर्स सकारात्मक रूख अपनाते हुए उन्हें नियमानुसार स्वीकृति प्रदान करें। उन्होंने कहा कि लक्ष्य के अनुरूप स्वरोजगार संबंधी योजनाओं के तहत प्राप्त प्रकरणों को स्वीकृति प्रदान करते हुए उनमें ऋण वितरण की कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्रकरणों के फॉलोअप करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं, एसएचजी लिंकेज, किसान क्रेडिट कार्ड, स्वनिधि योजना, उद्यम क्रांति योजना, बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना, आचार्य विद्यासागर योजना, संत रविदास स्वरोजगार योजना आदि के संबंध में विस्तार से समीक्षा की।

सीएम हेल्पलाइन् के प्रकरणों पर ध्यान दें बैंक के जिला समन्वयक

बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट ने कहा कि बैंकों के जिला समन्वयक सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों पर ध्यान दें। प्रत्येक शिकायत पर 7 दिवस में रिप्लाई करें। कोई भी प्रकरण नान अटेंडेंट श्रेणी में न रहे। शिकायतों के संतुष्टिपूर्वक निकारण के प्रयास करें। ब्रांच मैनेजर्स आगामी 8 मार्च को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के लिए तैयारियाँ सुनिश्चित करें। प्रत्येक शाखा अपने-अपने सर्विस एरिया में फाईनेंसियल लिट्रेसी कैम्प भी आयोजित कराएं।

खबर संक्षेप

शहर के वीरान इलाकों से लेकर सड़क किनारे संचालित हो रही ढाबों में देर रात तक छलकते शांति व्यवस्था को लगा रहे ग्रहण..

गाडरवारा। जहां पूर्व के समय में लोग शराब पीने के लिए ऐसी जगह खोजते थें जहां पर किसी की नजर न पड़े मगर इस समय तो स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि लोगों द्वारा जहां तहां बैठकर शराब का सेवन करते हुए नशे की हालत में सड़कों पर घूमते हुए आसानी से देखे जा सकता है? इतना ही नही यदि गौर किया जावे तो वर्तमान में अनुमानतः शहर के 60 प्रतिशत युवाओं और किशोरो में शराब पीने का शौक ऐसा लगा है कि वे रात को बिना जाम छलकाये रह ही नही पा रहे है, जिसके चलते वे शहर में एक भी वीयरबार न होने और अधिकांश शहर में बने हुये ढाबों में शराब के जाम छलकाने के लिए उपयुक्त जगहों पर जाना पड़ता है पड़ता है और खुलेआम नगर के पास पास बने हुये ढाबों में देर रात तक शराब खोरी होते हुये दिखाई दे रही है? बताया जाता है कि इन दिनों शराब के शौकिनों द्वारा नगर के वायपास मार्ग पर स्थित ढाबों में जहां खुलेआम शराब की विक्री होने के साथ साथ यहां पर देर रात तक शराब पीने वालों की महफिले सजी हुई देखी जा रही है? इतना नही नही हालत यह बन चुकी है कि शहर से चंद कदम दूरी पर संचालित होने वाले इन ढाबो में अवैध रूप से बिकने वाली शराब व देर रात के होने वाली शराब खोरी के चलते जहां क्षेत्र के गांवों के लोगों का शहर आना मुश्किल होते हुये जान पड़ रहा है तो दूसरी ओर रात के समय ट्रेनों से उतरकर अपने गांव जाने वाले लोग भी अपने आपको असुरक्षित महसूस करने से नही चूक रहे है? क्षेत्रवासियों द्वारा पुलिस प्रशासन के अधिकारियों द्वारा शहर के आसपास संचालित होने वाले ढाबो पर चलने वाले शराब के अवैध कारोबार पर सख्ती से अंकुश लगाने की माग की जा रही है।

क्या कभी इन नहरे में जल बहते हुये देखने का सौभाग्य मिल पायेगा...?

कौड़िया। इस समय देखा जा रहा है कि क्षेत्र का किसान नहर मिल पाने के कारण अपनी फसलों को लेकर परेशान देखे जा रहे है। वही दूसरी ओर स्थिति इस प्रकार से है कि वह आगामी फसलों की तैयारियों को लेकर पानी की व्यवस्था तक पूरी करने में असमर्थ महसूस करने से नही चूक रहे है, मगर वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो क्षेत्र में जहां शासन द्वारा करोड़ो रूपया खर्च करते हुए क्षेत्र के किसानों के खेतों में से नहरों का निर्माण तो कर दिया गया है, मगर उन नहरों में जरूरत के समय पानी नही आने के कारण उनके औचित्य पर भी सबाल खड़े होने लगे है, गौर किया जावे तो जब क्षेत्र में नहरों के निर्माण कार्य की शुरूआत हुई थी उस समय क्षेत्र के किसानों के चेहरों में इस सोच के साथ खुशी झलक रही थी कि क्षेत्र में नहरों का निर्माण होने के कारण उनकी जिन्दगी संभल जावेगी? जब नहरों से पानी आवेगा तो वह अपने खेतों में भर पुर फसल लेते हुए खुशहाली से झूम उठेगे, मगर इस समय वह खुशी उनके लिए मात्र एक सपना ही साबित होते हुए जान पड़ रही है..? क्योंकि क्षेत्र में बनी हुई नहरे मात्र उन्हें चिड़ाते हुए जान पड़ रही है। क्योंकि क्षेत्र में करोड़ो की लागत से बनी हुई नहरों में पानी नही छोड़े जाने के कारण लोगों कह रहे है कि आखिर में जब नहरें बन ही चुकी है तो फिर इसका लाभ क्षेत्र के किसानों को मिल क्यों नही रहा है क्या यह नहरें सिर्फ दिखाने के लिए ही बनाई गई थी? जो आज मुश्किल के समय किसानों को उपयोगी साबित नही हो रही है तो फिर इनके निर्माण का मतलब ही क्या रह गया है, वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो नहरों के निर्माण के बाद संबंधित विभाग द्वारा न तो इनकी सफाई की ओर किसी प्रकार से ध्यान दिया गया है और न ही उन्हें चालू किये जाने की ओर कोई पहल की जा रही है, जिसके चलते उनकी उपयोगिता पर प्रश्न चिन्ह लगता हुआ देखा जा रहा है? क्षेत्र के किसानों का कहना है कि यदि समय रहते हुए इन नहरों में पानी नही छोड़ा गया तो इसके खिलाफ क्षेत्र के लोगों द्वारा आंदोलन जैसे कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा जिसके जिम्मेदार नहर विभाग के अधिकारी व नेतागण होंगे।

सरकार की योजनायें दिखाई दे रही है फेल...?

शासन प्रशासन की उदासीनता के चलते गांवों में स्थित पांरपारिक जल स्त्रोतों का अतिक्रमण की भेंट चढ़ने से मिट रहा नामोनिशान

गाडरवारा

इसे माँ नर्मदा की कृपा का फल ही माना जाए कि शहर एवं क्षेत्र के गाँवों में वर्ष भर लोगों को भरपूर पानी नसीब होता रहता है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो गाँवों में भी नल जल योजना के तहत बनीं पानी की टंकियों के निर्माण होने से ग्रामो के निवासियों को कम ही पानी के लिए हायतौबा मचाने विवश होना पड़ता है..? लेकिन जिस तरह विवाह के बाद दूल्हे की मौर नदी में विसर्जित कर उसे भुला दिया जाता है। उसी तरह इस समय देखा जा रहा है कि लगता है शासन-प्रशासन के साथ क्षेत्रवासियों ने उन प्राचीन कुओं, तालाब व बावाड़ियो की सुध बिसराना शुरू कर दिया गया है। इसी का परिणाम है कि वर्षो पूर्व प्यासे हजारो कंठ तृप्त होते रहे है वह जन स्त्रोत आज बदहाली का शिकार होते हुये देखे जा रहे है। ज्ञातव्य है कि नगर ही नही क्षेत्र के कई गांवों में परम्परागत जल स्त्रोतो की उपेक्षा होने से उनका नामो निशान लगातार मिटता चला जा रहा है..? हकीकत यह है कि जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत देवरी मिढ़वानी का लगभग ढाई एकड़ भूमि का मालिक माने जाने वाले विशाल तालाब अतिक्रमण की भेंट चढ़ने के कारण एक तलैया के रूप में दिखाई देने लगा है। वही दूसरी कुछ इसी प्रकार का हाल गांव के वर्षो पुराने कुंआ का देखने मिल रहा है जिस पर लोगों द्वारा अवैध रूप से अतिक्रमण करते हुये उसके ऊपर लकड़ी रेखते हुये गंदगी फैलाई जा रही है या फिर मवेशियों को बांधते हुये उसकी सुन्दरता को ग्रहण लगाने से भी नही चूक पा रहे है जिसके चलते इस प्रकार से वर्षो पुराने पूज्यनीय माने जाने वाले यह परम्परागत स्त्रोत अपने असत्तिव को बचाने के लिये खुदे ही जूझते हुये देखे जा रहे है? उल्लेखनीय है कि क्षेत्र के अनुभवी बुजुर्ग अभी भी चाहते है कि कुंआ व तालाब सलामत रहे । मगर विडम्बना की बात है कि प्रशासन के साथ साथ स्वयं सेवी संस्थाएँ पारंपारिक जल स्त्रोतों की सुरक्षा के मामले में उदासीन बनी हुई है? इस संबंध में हरिभूमि टीम से चर्चा करते हुए क्षेत्र के युवाओं का कहना है कि पर्याप्त पानी मिलने के दौरे में यह बात चिंता जनक है कि पारंपारिक जल स्त्रोतो की तरफ ध्यान न दिया जा रहा है। वही दूसरी देखा जा रहा है कि सरकार द्वारा हर साल करोड़ो रूपया खर्च करते हुये गांव गांव सरोबर से लेकर तालाब व डेमों का निर्माण कराते हुये रूपया खर्च किये जा रहे है। मगर जिस तरह पुराने जल स्त्रोत है उनकी अनदेखी सरकार की योजनाओं पर सबाल खड़े करने से नही चूक रही है। क्योंकि सरकार द्वारा बनाये जाने वाले तालाबों की सच्चाई शायद ही किसी से छिपी नही होगी कि सरकार द्वारा लाखों रूपया खर्च करते हुये गांव गांव बनाये जा रहे इन तालाबों में एक बूंद पानी नजर आ जावे तो बडी बात होने से नही चूक पायेगी..? क्योंकि इस तरह नये तालाबों के निर्माण को लेकर सरकार द्वारा जहां करोडो रूपया खर्च किये जा रहे है और दूसरी ओर पुराने जल स्त्रोतों की अनदेखी निश्चित तौर से सरकार के प्रयास मात्र सरकारी धन की होली खेलने के आलवा ओर कुछ साबित होने से नही चूक रहे है। यदि वर्तमान में देखा जावे तो जरूरत इस बात की है कि इन परम्परागत जल स्त्रोतो को चिन्हित कर इनकी दशा में बदलाव लाने की पहल करना अति जरूरी हो गया है। क्योंकि इस प्रकार से पारंपारिक जल स्त्रोत के अनदेखी करना पूर्णरूप से अनुचित है..? मगर जिस प्रकार से शासन प्रशासन से लेकर क्षेत्र के लोगों द्वारा इन पुराने जल स्त्रोत की अनदेखी कर रहे है, वही लोगों द्वारा अन्य जल स्त्रोतों को प्रदूषित करने से भी नही चूक रहे है। इस बात की सच्चाई इस समय ग्राम के कुआ में देखने मिल रही है इस वर्षो पुराने के में आज भी पानी है मगर उसकी ओर प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार से ध्यान नही दिये जाने के कारण वह पानी गंदा हो चुका है। यदि इस कुंआ में सुधार किया जावे तो यह क्षेत्र की धरोहर माने जाने वाले परम्परागत जल स्त्रोतों की फिर से सूरत बदली जा सकती है और वह आमजन के लिये उपयोगी साबित हो सकते है? यदि शासन के रिकार्ड का अवलोकन किया जावे तो क्षेत्र का शायद ही ऐसा कोई गांव शेष होगा जहां पर राजस्व रिकार्ड में तालाब या कुंआ दर्ज दिखाई न दे रहा हो..? मगर बडे ही हैरत की बात है कि सरकारी रिकार्ड के अनुसार राजस्व भूमि पर बने हुये यह कुंआ व तालाब मौके पर नजर ही नही आ रहे है जहां तालाबों में प्रभावशालियों की फसले लह लहा रही है तो कुंओं के ऊपर निर्माण कार्य हो चुके है जिन पर बहुमंजिला आवास तने हुये दिखाई देने से नही चूक रहे है। इसी प्रकार का हाल नगर में भी आसानी से देखने मिल सकता है। बताया जाता है कि नगर के नाजूल की भूमि पर बने हुये कुंआ का हाल तो यह बना चुका है कि उन पर कुछ प्रभावशालियों द्वारा अतिक्रमण करते हुये अपने आसियाने तानते हुये उनका नामों निशान ही मिटा डाला है..? सरकार द्वारा जिस तरह जल स्त्रोतो की चिंता करते हुये गांव गांव अमृत सरोबर का निर्माण कराये जाने की जो औपचारिता निभाई जा रहे है वह चर्चा का विषय बनने के साथ साथ पंचायतों के लिये दुधारू गाय के रूप में साबित होने से नही चूक रही है..? यदि सच्चाई पर नजर डाली जावे तो बीते हुये वर्षो में जिन ग्राम पंचायतों में अमृत सरोबर के नाम पर लाखों रूपया खर्च करते हुये जिन तालाबों का निर्माण हुआ है उनकी सच्चाई इस तरह देखने मिल रही है कि यदि आज के समय में उनमें एक बूंद पानी नजर आ जावे तो बड़ी बात होगी..?

टूटी हुई लाईन से प्रतिदिन कई गेलन पानी देखने मिल रही बर्बादी, क्या इस सच्चाई के बीच नपा जल संरक्षण को सफल बना पायेगी..?

गाडरवारा। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि जिस तरह जमीन के अंदर जल स्तर में गिरावट देखने मिल रही है वह चिंता की बात है..? यदि इसी तरह जल के स्तर में गिरावट बनी रही तो निश्चित तौर से आने वाले समय में पीने के पानी को लेकर लड़ाई होते हुये देखा जाना आम बात बन जावेगी। हमारे क्षेत्र का सौभाग्य है कि माँ नर्मदाजी के आर्शीवाद के चलते अभी तक लोगों को पीने के पानी को लेकर परेशान होते हुये देखा नही गया है। मगर जल की इस तरह बर्बादी होती रही तो निश्चित तौर से वह दिन दूर नही जब हम एक एक बूंद पीने के पानी को लेकर परेशान होते हुये देखे जावेगे। इसी सोच के चलते बीते हुये दिनों स्थानीय नगर पालिका प्रशासन द्वारा नगर में लोगों को सख्त आदेश जारी करते हुये कहा गया है कि जिन लोगों के घरों में नल लगे हुये है और उनमें टोटी नही होने से पानी बर्बाद हो रहा है वह अपने नलों में टोटी लग वाये। वही दूसरी ओर लोगों को इस बात का आदेश भी दिया गया है कि लोग अपने घरों के सामने बगैर मतलब के सड़को तथा वाहनों की धुलाई करते हुये जल की बर्बादी न करे। यदि इस तरह जल को बर्बाद करते हुये कोई पाया ताजा है तो उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जावेगी। इसके लिये एक टीम का गठन भी किये जाने की खबर है..? जल की बर्बादी पर अंकुश लगाने की सोच के तहत नगर पालिका द्वारा जारी किये गये इस आदेश की लोगों द्वारा सराहना करने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। मगर जिस तरह नगर पालिका द्वारा जल सप्लाई किये जाने वाली खुद की टूटी हुई लाईनों से प्रतिदिन सैकड़ो गैलान पानी बर्बाद होते हुये देखा जा रहा है। इस सच्चाई को देखते हुये लोग यह बात कहने से नही चूक रहे है कि क्या नगर पालिका प्रशासन खुद की लाईनों से इस तरह जल ही जीवन है का नारा देते हुये जल संरक्षण अभियान को सफल बनाने में कामयाब हो पायेगा..? इस तरह जल बर्बादी के नजारे नगर के भावा वार्ड यानि की विजय कालोनी वार्ड पार्षद के निवास से चंद कदम दूरी पर देखने मिल रहा है। बताया जाता है कि बीते हुये कुछ दिनों से कुल्पी वाले साहू जी के मकान वाली कुलिया में देखने मिल रहा है। यहां पर कुछ दिनों से पाईप लाईन में गड़बड़ी होने के कारण प्रतिदिन सैकड़ो गैलान पानी सड़क पर बहने के चलते बारिश के दिनों का यादे ताजा करने में कोई कसर नही छोड़ रहा है। इस सच्चाई को यहां से निकलने वाले लोगों के साथ साथ वार्ड पार्षद भी देखकर निकलने से नही चूक रहे होगे। मगर सुधार न हो पाना निश्चित ही नपा के जल संरक्षण अभियान की सच्चाई पर सबाल खडे करने से नही चूक रहा है।

दुल्हा राजा अपनी दुल्हनियाँ को लेने पहुंचा हारवेस्टर पर सवार होकर मंडप, नगर में आयोजित हुई यह अनोखी शादी बनी चर्चा का विषय..

गाडरवारा। शादी समारोहों में होने वाली फिजूल खर्च पर अंकुश लगाने के लिये जहां सभी समाजे अपने स्तर पर अंकुश लगाने के लिये प्रयास करते हुये देखी जा रही है। मगर वर्तमान समय में जिस तरह युवा पीढ़ी में बढ़ते हुये शौंक समाज के प्रयासों पर ग्रहण लगाने में कोई कसर नही छोड़ रहे है..? अक्सर देखा जाता है कि जब दुल्हा अपनी दुल्हन को लेने के लिये बारात लेकर जाता है तो पुरानी परम्पराओं के हनुसार हाथी व घोड़े पर सबार होकर जाते थें। इसके बाद लोगों को महंगी नई चमचमाती गाड़ियों पर जाते हुये देखा जाने लगा। मगर बीते हुये दिवस जिस तरह एक दुल्हा को हार वेस्टर पर सबार होकर बारात लगाते हुये देखा गया तो वह चर्चा का विषय बनने से नही चूक पाया। यह सच्चाई बीते हुये दिवस नगर में उस समय देखने मिली जब दुल्हा हार वेस्टर पर सबार होकर अपनी दुल्हानिया को लेने मंडप में पहुंचा। बताया जाता है कि नगर के जमाड़ा रोड स्थित वृंद्रावन गार्डन में बीते हुये 2 मार्च को एक शादी समारोह का आयोजन था। इस तरह शाम के समय जब बारात लगने की शुरूआत हुई तो दूल्हा अपनी दुल्हन को लेने के लिये जब हारवेस्टर पर सबार होकर खुद ही हारवेस्टर को चलाते हुये रवाना हुआ तो लोगों का इस नजारे को देखने के लिये सड़क पर हुजूम लगा हुआ दिखाई देने से नही चूका। वही दूसरी ओर बारात में अनेक प्रकार के डीजे बैंड बाजों सहित विभिन्न प्रकार की लाईटिंगों से सजी हुई बारात के बीच जब लोगों ने दुल्हा राजा का बारात लगने के दौरान हार वेस्टर पर सबार होकर जाते हुये देखा तो यह शादी समारोह चर्चा का विषय बनने से नही चूक पाया है...?

ग्रामीण क्षेत्रों में चालू कम, बंद ज्यादा पड़ी हुई नलजल योजनायें, शोभा की सुपारी साबित हो रही लाखों की राशि से बनी टंकी

कल्याणपुर। शासन प्रशासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल सुविधा की दृष्टि से भले ही नल-जल योजनाओं का गांव गांव शुभारंभ किया जा रहा हो जिसके चलते सरकार का प्रतिवर्ष करोड़ो रूपया भी पानी के नाम पर पानी की तरह ही बहते हुए देखा जा रहा है। लेकिन इन योजनाओं का ग्रामीणों को समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है, जिसके सच्चाई क्षेत्र की अनेक पंचायतों में देखने आसानी से मिल सकती है, क्योंकि सरकार द्वारा पूर्व में लाखों रूपया खर्च करते हुए अनेक पंचायतों में इस नल जल योजना का शुभारंभ तो कर दिया गया था। मगर वह सिर्फ कागजों तक ही सीमित होकर रह चुकी है। क्योंकि क्षेत्र के अनेक पंचायतों में शुभारंभ के कुछ समय बाद से ही यह योजनाएं बंद पड़ी हुई हैं। बताया जाता है कि नलजल योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में पीने के पानी की सुविधा के लिए पंचायत स्तर पर शासन प्रशासन द्वारा नल-जल योजना और स्थाई जल योजना चलाई गई थी, जिसके चलते कई पंचायतों में इन योजनाओं का शुभारंभ भी किया गया था। लेकिन योजनाओं से ग्रामीणों को कोई खास लाभ नहीं मिल पा रहा है और जल संकट हर तरफ बढ़ता ही जा रहा है। हालाकि इन योजनओं का उद्देश्य ग्रामीणों को पीने का पानी उपलब्ध कराना है। लेकिन इस योजना के तहत डाली गई लाईनों से पानी सप्ताह में एकाध बार भी पानी सही ढंग से नहीं मिलता है। इतना ही नही कई पंचायतों की स्थिति तो इस प्रकार से है कि नलकूपों में बीते लम्बे समय में ताला डला हुआ है, इस सच्चाई के चलते इस योजना के नाम पर शासन के पैसों की बर्बादी ही जान पड़ रही है? इन योजनाओं के बंद होने का कारण भी अलग अलग है। कुछ जल स्त्रोत सूखने, बिजली कनेक्शन कटने तथा अन्य कारणों से बंद हैं। पीएचई विभाग द्वारा इन योजनाओं के शुरू होने के बाद बंद होने पर सूचना मिलने पर भी रूचि न लेकर बंद होने के कारणों को खत्म करने का प्रयास नहीं किया जाता है और न ही दुरूस्तीकरण में कोई रूचि दिखाई जाती है, जिसके चलते आज भी अनेक पंचायतों में ये योजनाएँ बंद पड़ी हुई या फिर होती जा रही हैं। इस योजना को लेकर पीएचई विभाग के अनुसार नल-जल योजना 2 हजार से अधिक आबादी वाले ग्रामीण क्षेत्रों में क्रियान्वित की जाती है तथा इस योजना के तहत एक ट्यूबवैल से अनेक नल कनेक्शन पाईप लाईन में बिछाकर दिये जाते हैं, घरों में कनेक्शन के बाद पानी की सप्लाई पंचायत स्तर से प्रति दिन या फिर वहां पर जैंसी पानी की स्थिति होती है के अनुसार की जाती है बदले में पंचायत द्वारा कनेक्शनधारियों से शुल्क भी लिया जाता है। इस प्रकार से एक हजार से कम आबादी वाले ग्रामीण क्षेत्र में स्थल जल योजना संचालित की जाती है। इस योजना में ट्यूबवैल का खनन करके उसी में मोटर पंप लगाकर कई नल लगा दिये जाते हैं और ग्रामीणों को स्पाट पर ही पानी दिया जाता है, इस योजना में घरों में कनेक्शन नहीं दिये जाते हैं, लोगों को ट्यूबवैल पर ही लगे नलों से पानी भरना पड़ता है, इस योजना को नल-जल योजना में गांव की आबादी बढ़ने पर परिवर्तित कर दिया जाता है।

दलालों का बोलबाला होने से अव्यवस्थाओं का शिकार हो रहा है नगर का मवेशी बाजार

गाडरवारा। इस समय देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से प्रति रविवार को नगर में लगने वाला मवेशी बाजार सिर्फ जिले में ही नही बल्कि दूसरे जिलों में भी प्रसिद्ध हो चुका है, जिसके चलते प्रत्येक रविवार को यहां पर दूर के व्यापारी पहुंचकर मन पसंद मवेशी खरीदने के लिए आते है। मगर कुछ समय से यह बाजार लगातार दलालों के चंगुल में आ जाने के कारण सीधे साधे व्यापारियों के लिए सिर्फ परेशानी का कारण ही नही बल्कि अव्यवस्थाओं का शिकार भी हो रहे है? यदि इस मवेशी बाजार की सच्चाई पर गौर किया जावे तो क्षेत्र के किसान अपने मवेशियों को यहां पर बेचने के लिए लाते है। मगर बाजार में मौजूद दलालों के चलते लोग अपने मवेशी को मन के मुताबिक कीमत पर नही बेच पाते है यदि किसी व्यक्ति को कोई मवेशी खरीदना या बेचना होता है तो वह दलालों के माध्यम से ही खरीद या विक्री करने के लिए मजबूर होता हुआ दिखाई दे रहे है। इस स्थिति के चलते जहां पशु मालिकों को उनका सही दाम नही मिल पा रहा है वही दूसरी ओर देखा जाता है कि जब कोई व्यक्ति दलालों के अनुसार अपने मवेशी की खरीदी या बिक्री नही करता है तो दलाल नुमा लोग उन्हें परेशान करने से भी नही चूकते है? इस सच्चाई को लेकर जहां यह बाजार अपना अस्तिव खोते हुए दिखाई देने लगा है। वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि इस बाजार में पुलिस की तैनाती नही रहने की स्थिति में कुछ दलाल नुमा लोगों द्वारा खुलेआम पुलिस के नाम पर मवेशी परिवहन करने वाले लोगों से अवैध बसूली करते हुए दिखाई दे रहे है? जिसकी सच्चाई बीते हुए बाजार में भी देखने मिली है। बताया जाता है कि जहां क्षेत्र के किसान अपने मवेशियों को बेचने के लिए वाहनों के माध्यम से लाते है उन किसानों से भी कुछ लोगों से अपना पुलिस के बीच प्रेम प्रसंग का बास्ता देते हुए पुलिस के नाम पर अवैध बसूली करते हुए आसानी से देखे जा रहे है..? वही दूसरी ओर कुछ इस प्रकार के व्यापारी भी है जो बाजार से थोंक में बूढे मवेशी खरीदने के बाद उन्हें कसाई घरों ले जाने के लिए उन्हें अपने वाहनों में कूरूरता पूर्वक भर कर ले जाने से नही चूकते है, इस प्रकार के लोगों को कुछ लोगों द्वारा पुलिस से पूरी सुरक्षा का जिम्मा लेने का भरोसा दिलाते हुए उनका नियम विरूद्व परिवहन कराने से भी नही चूक रहे है? पहले देखा जाता था कि जब इस मवेशी बाजार में पुलिस की डियूटी रहती थी तो मवेशियों का अवैध रूप से करूरता पूर्वक परिवहन करने वालों की गतिविधियों पर अंकुश लगा हुआ था, मगर अब घोषित रूप से पुलिस की डियूटी नही रहने के कारण कुछ दलालों द्वारा इस प्रकार से कूरूरता पूर्वक पशुओं को ले जाने वालों से पुलिस के नाम पर पैसा बसूलते हुए पुलिस की कार्य प्रणाली पर दाग लगाने से नही चूक रहे है? इस प्रकार से प्रति रविवार को देखा जाता है कि नगर के मवेशी बाजार में मवेशियों का क्रय विक्रय कराने से लेकर उनका परिवहन कराने का जिम्मा लेने की बात करते हुए खुलेआम अवैध बसूली करते हुए देखे जा रहे है? इसी का परिणाम है कि गाडरवारा क्षेत्र में फिर पशुओं की कुरूरता पूर्वक परिवहन की गतिविधियाँ नजर आने लगी है तथा शहर सहित क्षेत्र के आसपास अनेक जगहों से पशुओं को खुलेआम वाहनों में कुरूरता पूर्वक भरा जा रहा है? इस प्रकार से पुलिस के नाम पर दलाल नुमा लोगों द्वारा की जा रही अवैध बसूली की सच्चाई को लेकर पुलिस की भूमिका भी संदिग्ध बनते हुये नजर आने से नही चूक पा रही है?

बादलों के अजीब खेल से किसान चिंतित, चना सहित अन्य फसलों में इल्ली रोग लगने की आशंका

सांईखेड़ा। क्षेत्र के किसान लगातार परेशानियों से जूझते हुये दिखाई पड़ रहे है । क्योंकि बीते हुए कुछ वर्षो से जिस प्रकार प्रकृति का खेल चल रहा है उसके चलते इस बदलते दौर में अब किसी को भी मौसम पर विश्वास नही रह गया है। क्योंकि इस वर्ष ठीक तरह से ठंड न पड़नें साथ साथ आसामन में बादलो के अजीब खेल से क्षेत्रीय किसान भी अपनी रबी सीजन की फसलो की सुरक्षा को लेकर चिंतित नजर आने लगे है। ज्ञातव्य है कि फिलहाल आसमान में आये दिन मॅडराने वाले बादल ठंड पर ब्रेक लगा रहे है और दोपहर में लोगो को उमस और रात में थोडी ठंड का अहसास हो रहा है। ऐसे में गांव के किसान मौसम को प्रतिकूल मान रहे है तथा फसलो की बढ़त के लिए तेज ठंड पड़ना आवश्यक बता रहे है। हरिभूमि टीम से चर्चा करते हुए क्षेत्र के किसानों ने कहा कि इस वर्ष जहां बारिश ने किसानों को धोखा देने के बाद जब ठंड ने दस्तक दी थी, तो उसके अंदाज से लगा रहा था कि ठंड की गति संतोष जनक ढंग से रहेगी। किन्तु स्थिति यह देखने मिली की बीते हुये फरवरी माह में अचानक ठंड पर ब्रेक लगने के चलते खेतों में ऊंग रही फसलों की गति पर अंकुश लग गये था। इस तरह बादलो का आसमान में डेरा नही हटने के कारण, फसलों को लाभ पहुॅचाने वाली ठंड न पड़ने से क्षेत्र के किसानों के माथों पर चिंता की लाकीरे उभरने लगी है। जिससे किसानों का कहना है कि यदि कुछ दिनों तक और ठंड का सिलसिला इसी तरह रूका रहा तो रबी सीजन की फसलों की बढ़त पर विपरीत असर पड़ सकता है। क्योंकि इस मौके पर किसानों के खेतों में तैयार हो रही फसलों को की ठंड की आवश्यकता है। मगर चल रहे मार्च माह के शुरूआती दिनों में दिन के समय सूर्यदेव जिस तरह प्रचण्ड होते हुये दिखाई दे रहे है उससे अनुमान है कि अब ठंड शायद वापसी करेगी। यदि ठंड की वापसी नही हुई तो निश्चित तौर से गेंहू सहित चना की फसलों पर भी विपरित असर पड़ने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है..? लेकिन इस वर्ष ठंड की शुरूआत तो हुई है मगर आसमान में बादलों के चलते बीते हुये जनवरी व फरवरी माह में अच्छी ठंड नही पड़ पाई थी जिसके चलते फसलों की प्रगति पर अंकुश लगा रहा और अब दिन के समय तेज तपन के चलते फसलों की स्थिति खराब होते हुये देखाई दे रही है। क्योंकि खेतों में खड़ी गेंहू चना फसल फल चुकी है। मगर अभी से तेज तपन होने के कारण जहां फलों के अंदर पैदा हो रहे अनाज में बढ़ोत्तरी होने में तेज तपन बाधक बन रही है। वही दूसरी ओर आसमान पर छाये हुये बादलों के कारण इल्ली सहित अन्य प्रकार की कीट जन्म लेते हुये दिखाई दे रहे है। इस प्रकार मौसम में गर्मी का होना रबी फसलों के लिए खतर नाक बना हुआ है। इस स्थिति में एक बार फिर क्षेत्र के किसान समस्याओं के जाल में फॅसते नजर आ रहे है तथा इस स्थिति में क्षेत्र के किसान भारी परेशानी में पड़ गये है। क्योंकि रबी फसलों की अच्छी पैदावार के लिए आने वाले कुछ दिनों तक और ठंड की जरूरत महसूस कर रहे है। इस समय क्षेत्र के किसान मुश्किलों के प्रहार तो किसी तरह झेल लेता है, मगर मौसम की मार उसके लिए असहनीय होती चली जा रही है।

अपने साथ साथ दूसरों की जिन्दगी को भी पहुंचाते है खतरा, प्रशासन की चुप्पी पर खड़े हो रहे सवाल

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। जहां एक ओर आये दिन पुलिस प्रशासन द्वारा यातायात में सुधार लाने की बात को लेकर चालानी कार्यवाही करते हुये देखा जाता है, जिसमें अनेक इस प्रकार के लोगों के खिलाफ भी पुलिस द्वारा अपनी चालानी कार्यवाही करने से नही चूकती है जो किसी भूलवस अपने वाहनों के जरूरी कागज घरों पर भूल जाते है और उन्हें पुलिस की इस कार्यवाही का शिकार होना पड़ता है? मगर यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो पुलिस द्वारा उन लोगों को पूर्णरूप से नजर अंदाज कर दिया जाता है जो एक बाइक पर तीन की जगह खुलेआम चार चार लोग बैठते हुये जहां यातायात नियमों की धज्जिया तो उडाते हुये देखे ही जाते है साथ ही साथ अपनी व दूसरों की जिन्दगी को खतरा पैदा करने से नही चूकते है? इस बात की सच्चाई बीते दिवस नगर के मुख्य बाजार में उस समय देखने मिली जब एक बाईक पर चार लोग बैठते हुये पुलिस थाने के ठीक सामने से निकलकर बाजार तक पहुंच गये पर पुलिस द्वारा इनके खिलाफ कार्यवाही करने की बात तो दूर उन्हें रोककर हितायद देना भी जरूरी नही समझा? अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि यदि इस प्रकार के वाहनों के माध्यम से कोई सड़क घटना घटित हो जाती है तो उसका जिम्मेदार कौन होगा? क्योंकि इस प्रकार से वाहनों के संचालन को पुलिस प्रशासन द्वारा नजर अंदाज किये जाने का परिणाम है कि वाहन चालक खुद के साथ साथ दूसरों की जिन्दगी को भी खतरा पैदा करने से नही चूक रहे है, मगर इसके भी पुलिस द्वारा इस को नजर अंदाज किया जा रहा है।

खबर संक्षेप

दुर्लभ प्रजाति के उल्लू का राजेंद्रग्राम में किया गया रेस्क्यू

अनूपपुर। जिले के राजेंद्रग्राम में सोमवार की रात वरिष्ठ पत्रकार ज्ञानचंद जायसवाल के घर में अत्यंत दुलर्भ प्रजाति का एक उल्लू भटकते हुए जायसवाल के घर के अंदर आ जाने की सूचना पर परिक्षेत्र अधिकारी राजेन्दगाम शिवम कोष्ठी एवं वन्यजीव संरक्षक अनूपपुर शशिधर अग्रवाल के निर्देशन में बसनिहा बीट के वनरक्षक हंसराज सिंह एवं सुरक्षा श्रमिक अशोक यादव द्वारा देर रात सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर स्वतंत्र विचरण हेतु विलुप्त प्रजाति के उल्लू को जंगल में छोड़ा गया यह उल्लू दिन में शांत स्थिति में आराम करते हुए रात्रि समय होने पर आहार के लिए शिकार की तलाश में विचरण करता है।

उपकेन्द्र अनूपपुर से निकलने वाले समस्त फीडर की विद्युत आपूर्ति रहेगी अवरुद्ध

अनूपपुर। म.प्र. पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमि. अनूपपुर के अधीक्षण अभियंता ने बताया है कि उप संभाग अनूपपुर अंतर्गत 220 के.व्ही. उपकेन्द्र अनूपपुर में 33 के.व्ही. फीडर के मेन बस साइड आइसोलेटर वाय फेज के नट वोल्ट में हॉट प्वाइंट के मेन्टेनेन्स का कार्य किया जाएगा। उक्त कार्य के प्रभावी रूप से सम्पादन हेतु 220 के.व्ही. उपकेन्द्र अनूपपुर से निकलने वाले समस्त 33 के.व्ही. फीडर की विद्युत आपूर्ति बुधवार 05 मार्च को प्रातः 8:00 बजे से प्रातः 11:00 बजे तक अवरुद्ध रहेगी। कार्य के अनुसार विद्युत आपूर्ति अवरुद्ध रहने की समयावधि को बढ़ाया या घटाया जा सकता है।

निरीक्षक आरके धारिया व कलीराम परते को स्थानांतरण पर दी गई भावभीनी विदाई

अनूपपुर। निरीक्षक आर.के.धारिया का स्थानांतरण हरदा एवं निरीक्षक कलीराम परते का स्थानांतरण बालाघाट होने पर आप दोनों अधिकारियों को स्थानांतरण इकाई के लिए कार्यमुक्त करते हुए आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय में सम्मान समारोह आयोजित कर साल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर विदाई दी गई, कार्यक्रम में सभी ने मंच को संबोधित कर दोनों अधिकारियों के साथ कार्य के दौरान उल्लेखनीय स्मृतियों को साझा किया। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर ने दोनों की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए शुभकामनाएं दी।

रेलवे कर्मचारियो के विभिन्न मुद्दों को लेकर प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी से मुलाकात

अनूपपुर। रेलवे कर्मचारियो के विभिन्न मुद्दों के निराकरण पर चर्चा करने हेतु प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी श्रीमती दर्शनलिता अहलूवालिया से विगत दिनों मजदूर कांग्रेस के केन्द्रीय पदाधिकारी जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव, संयुक्त महामंत्री बिलासपुर मंडल समन्वयक विजय अग्निहोत्री एवं जोनल मुख्यालय सचिव राजेश सोनकर ने मुलाकात की मजदूर कांग्रेस ने बिलासपुर रेल जोन के तीनों मंडलों में रायपुर, नागपुर, बिलासपुर कार्मिक विभाग द्वारा समस्याओं के निराकरण व वेलफेयर कार्यों में उल्लेखनीय उपलब्धि पर कार्मिक विभाग को बधाई दी। बैठक में मजदूर कांग्रेस के नेताओं ने प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी बिलासपुर से मांग की 19 व 20 फरवरी को हुए जोनल पी एन एम बैठक में रेल कर्मचारियों के हित में लिए गए निर्णय के आदेश जारी कर रेल कर्मचारियों को लाभ दिया, मजदूर ने मांग की बिलासपुर मंडल में महिला मजदूर कांग्रेस शाखा खोलने हेतु रेल प्रशासन स्वीकृति प्रदान करें, 08 मार्च विश्व महिला दिवस पर रायपुर, नागपुर, बिलासपुर रेल मंडल में व्यापक समारोह मनाने हेतु कार्मिक विभाग से निर्देश जारी कर ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को शामिल किया जाएगा।

शादी का झांसा देकर नाबालिग से दुष्कर्म, फरार आरोपी गिरफ्तार

डिंडौरी। जिला अस्पताल से प्राप्त जाँच दौरान पीडिता नाबालिक ने बताई कि आरोपी ईश्वर पन्द्रे पिता सोनसिंह पन्द्रे निवासी मुरकुटा से मोबाईल फोन से बातचीत से जान पहचान होना जो आरोपी ईश्वर पन्द्रे पीडिता के घर में आकर पीडिता के साथ शारीरिक संबंध बनाना तथा पीडिता को बहला फुसलाकर शादी करने का झांसा देकर अपने साथ अपने घर मुरकुटा ले जाकर साथ में रखना व कई बार शारीरिक संबंध (बलात्कार) करने से गर्भवती होना बताने पर आरोपी ईश्वर पन्द्रे के विरूध्द अपराध धारा 127(4), 137 (2),64, 64(2)(m), 65(1) बीएनएस. एवं 3, 4, 5L, 6 पॉक्सो एक्ट का अपराध घटित करना पाये जाने से मामले की जानकारी वरिष्ट अधिकारियो को दिया जाकर आरोपी ईश्वर पन्द्रे के विरूध्द उपरोक्त अपराध धारा का अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया । समनापुर थाना प्रभारी निरी. कामेश कुमार धूमकेती द्वारा फरार आरोपी की गिरफ्तारी हेतु तत्काल टीम गठित कर आरोपी ईश्वर पन्द्रे पिता सोनसिंह पन्द्रे निवासी ग्राम मुरकुटा थाना मोतीनाला जिला मण्डला की तलाश हेतु रवाना होकर आरोपी के सकुनत ग्राम मुरकुटा पहुँचकर दबिश दिया गया जो आरोपी ईश्वर पन्द्रे अपने घर में उपस्थित मिला जिसे हिरासत में लेकर घटना के संबंध में पूछताछ किया गया जो अपना जुर्म करना स्वीकार किया आरोपी को गिरफ्तारी का कारण बताकर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर न्यायालय डिण्डौरी पेश किया गया ।

-इनकी रही विशेष भूमिका

थाना प्रभारी समनापुर निरीक्षक कामेश कुमार धूमकेती , उपनिरी. पारस यादव, सउनि. जगदीश धूमकेती, प्रआर. 160 देवेन्द्र मरावी की सराहनीय भूमिका रही है ।

सात दिवसीय शिविर का हुआ शुभारंभ

अमरपुर

उच्च शिक्षा विभाग एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय अमरपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा गोदग्राम रामगढ़ में सात दिवसीय शिविर का संस्था प्रभारी संदीप सिंह के निर्देशन में शुभारंभ हुआ। यह शिविर 4 मार्च से 10 मार्च तक आयोजित किया जाना हैं। शिविर के लिए समस्त स्वयंसेवकों को महाविद्यालय से शिविर की ओर शुभकामनाएं प्रेषित कर प्रस्थान किया गया। इस शिविर में विभिन्न सकारात्मक एवं सामाजिक गतिविधियां स्वच्छता, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ सहित अन्य जागरूकता अभियान आयोजित की जानी हैं। जिससे स्वयंसेवकों में नेतृत्व क्षमता का विकास हो। आयोजित शिविर का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी रूपेंद्र वरकड़े के मार्गदर्शन में किया जाएगा।

अधिकारी-कर्मचारियों को सिखाईं ई-ऑफिस की बारीकियां

डिंडौरी । जिले में शासकीय दफ्तरों में ई-ऑफिस कार्यप्रणाली लागू करने के सिलसिले में विभिन्न विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों को ई-ऑफिस पोर्टल से काम करने के लिये प्रशिक्षित किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों को अपने-अपने कार्यालयों में राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के तहत फाइलों का संचालन ई-ऑफिस पोर्टल के माध्यम से करने के निर्देश दिए हैं। निर्देशों के परिपालन में मंगलवार को कलेक्ट्रेट के अधिकारी-कर्मचारियों को जिला सूचना विज्ञान अधिकारी श्री प्रशांत कौशिक, मास्टर ट्रेनर श्री दीपक चौबे द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में ई-ऑफिस पोर्टल के क्रियान्वयन की बारीकियां सिखाईं गई। साथ ही ई-ऑफिस पोर्टल का उपयोग कर शासन की पेपरलेस अवधारणा का पालन करने के संबंध में उपयोगी जानकारी दी। प्रशिक्षण के पहले दिन कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारी कर्मचारियों को प्रशिक्षण आयोजित की गई। इसी क्रम में बुधवार को जनपद पंचायत डिंडौरी में प्रशिक्षण दी जाएगी।

मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में प्राप्त 61 आवेदनों की हुई सुनवाई

डिंडौरी । कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या के निर्देशन में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित कर लोगों की समस्याएं सुनी गई। आवेदकों द्वारा विभिन्न समस्याओं के 61 आवेदन प्रस्तुत किये गए, जिनका त्वरित निराकरण किया गया। जिन आवेदन पत्रों का निराकरण नहीं हो पाया, उनके लिए आवेदकों को समय सीमा दी गई। जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत अनिल कुमार राठौर, अपर कलेक्टर सुनील शुक्ला, एसडीएम डिंडौरी सुश्री भारती मेरावी, डिप्टी कलेक्टर रामबाबू देवांगन सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में आवेदक ग्राम भाजीटोला के रहवासियों ने आवेदन प्रस्तुत कर पयेजल संकट की समस्या बताते हुए नलजल योजना अंतर्गत पेयजल उपलब्ध कराने की मांग की। सीईओ जिला पंचायत अनिल कुमार राठौर संबंधित अधिकारी को उक्त आवेदन पत्र का निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। इसी प्रकार से ग्राम संगमटोला ग्राम पंचायत मझियाखार निवासी देवेन्द्र कुमार ने पीएम आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग की। ग्राम पंचायत परसवाह के सरपंच, सचिव सहित आवेदिका फूलबाई आर्मो ने आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि वह 80 प्रतिशत दिव्यांग है, उसके घर के आसपास कोई जलस्त्रोत नहीं है, फूल बाई ने घर के पास हैण्डपंप खनन कराने की मांग की। जनसुनवाई में प्राप्त सभी आवेदन पत्रों का प्राथमिकता से निराकरण करने के लिए संबंधित विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया गया। साथ ही आवेदनों का निराकरण कर आवेदकों को सूचित करने को कहा। जनसुनवाई मे राजस्व विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग, श्रम विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग और खाद्य आपूर्ति विभाग से संबंधित पेयजल, भूमि सीमांकन, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना, उपचार सहायता आदि के संबंध में आवेदन प्राप्त हुए।

राजीव गाँधी पंचायती राज संगठन ने संतोषी रामजी साहू को सौंपी जिम्मेदारी

डिंडौरी न्यूज़

राजनीति में सक्रिय भूमिका को देखते हुए कांग्रेस नेत्री संतोषी साहू को राजीव गाँधी पंचायती राज संगठन ने जबलपुर जिले का प्रभारी नियुक्त किया हैं, संतोषी साहू फिलहाल महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष हैं, राजनीति और जनहित के मुद्दों को मुखरता से उठाती हैं, जानकारी के अनुसार संतोषी रामजी साहू ने अपनी राजनीति की शुरुआत छात्र जीवन में गुरू घासीदास विश्वविद्यालय करगी रोड़ कोटा छ. ग. में एन एस यू आई अध्यक्ष के रूप में की। मध्यप्रदेश महिला कांग्रेस प्रदेश सचिव, महिला कांग्रेस डिंड़ौरी जिलाध्यक्ष, राजीव गाँधी पंचायती राज संगठन म. प्र. की प्रदेश सचिव एवं शहडोल जिला प्रभारी अब जबलपुर जिला प्रभारी की कमान सौंपी गई हैं, इन्होंने राजीव गाँधी पंचायती राज संगठन की राष्ट्रीय अधिवेशन एवं संगम शिविरों में भी भागीदारी की है। राजीव गाँधी पंचायती राज संगठन की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, मंदसौर से पूर्व सांसद सदस्य CWC सदस्य एवं तेलंगाना प्रदेश प्रभारी गांधीवादी नेता मीनाक्षी नटराजन को अपना आदर्श मानती है।

कलेक्टर ने आरईएस विभाग के निर्माण कार्यों की ली समीक्षा बैठक

डिंडौरी । कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आरईएस विभाग के निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में कार्यपालन यंत्री आरईएस श्री दीपक आर्मो, विभागीय सहायक यंत्री, उपयंत्री सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने आरईएस विभाग के निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा कर स्वीकृत कार्य, कार्यादेश, टेंडर, निर्माणाधीन कार्य, कार्य लागत, कार्य प्रगति, निर्माणाधीन कार्यों में स्वीकृत राशि के विरूद्ध व्यय की गई राशि सहित अन्य मुद्दों पर विस्तृत जानकारी ली। जिसमें बताया गया कि विभाग के तहत ग्रेवल रोड, पंचायत भवन, आंगनवाड़ी, पुलिया, स्टॉप डैम, चेकडैम, अप्रोच रोड आदि कार्य किये जा रहे है। कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने विभाग के तहत निविदा पद्धति और मनरेगा से किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि लंबित निर्माण कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति, तकनीकी स्वीकृति और वैल्यूएशन की जानकारी प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। अधिक लंबित निर्माण कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण कराने के लिए तत्संबंध में आवश्यक कार्यवाही करें, और कार्य की सीसी जारी करें। निर्माण कार्यों की प्रगति के लिए संबंधित अधिकारी मौके पर निरीक्षण कर कार्यों को पूर्ण करवाएं।

लिटिल स्टेप्स हाई स्कूल में इस्कान विशेषज्ञों का प्रेरणादायक

अनूपपुर

लिटिल स्टेप्स हाई स्कूल में सुंदर प्रभुजी (सुंदर दामोदर दास) और गोपाल प्रभुजी, जो इस्कान के जाने-माने काउंसलर और लाइफस्टाइल कोच हैं, िजन्होने विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणादायक सत्र आयोजित किया। इस सत्र में उन्होंने अच्छी आदतों, सही संगति, पुस्तक पढ़ने, मंत्र जप और संतुलित आहार की महत्ता को सरल और प्रभावी ढंग से समझाया। सत्र में न केवल छात्रों ने बल्कि शिक्षकों ने भी भाग लिया और जीवन में अनुशासन व सकारात्मक आदतों के महत्व को गहराई से समझा। दोनों वक्ताओं ने विद्यार्थियों को यह प्रेरणा दी कि छोटी-छोटी अच्छी आदतें किस तरह बड़े बदलाव ला सकती हैं और जीवन को अधिक सफल व सुखद बना सकती हैं। विद्यालय की प्रधानाचार्या प्रियंका शुक्ला ने सुंदर प्रभुजी और गोपाल प्रभुजी का धन्यवाद किया और कहा कि यह सत्र विद्यार्थियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक होगा। उन्होंने शिक्षकों को भी बधाई दी कि वे छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसे आयोजनों में सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं।

समय पर करें तेंदूपत्ता शाख कर्तन का कार्य-डीएफओ

अनूपपुर। इस वर्ष तेंदूपत्ता संग्रहण करने के पूर्व तेंदूपत्ता के पेड़ों में शाख कर्तन का कार्य किए जाने के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन पुराना वन मंडल परिसर अनूपपुर में आयोजित किया गया जिसमें वन मंडल अनूपपुर एवं जिला यूनियन के सभी एसडीओ,वन परिक्षेत्र अधिकारी, नोडल अधिकारी परिक्षेत्र सहायक, प्रबंधक, फडमुसीं, वनरक्षक सम्मिलित रहे। इस दौरान वन मंडलाधिकारी एवं प्रबंध संचालक जिला यूनियन अनूपपुर विपिन कुमार पटेल ने कहा कि तेंदूपत्ता शाख कर्तन का कार्य शासन के दिशा निर्देश अनुसार समय पर किया जावे तथा उच्च गुणवत्ता वाले तेंदूपत्ता का संग्रहण समय पर करते हुए संग्रहण के लक्ष्य की पूर्ति करें तथा फडों में संग्रहित किए जाने वाले तेदूपत्ता को समय पर भंडारण किया जाना चाहिए उन्होंने मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ की सीमा के क्षेत्रों में तेंदूपत्ता के संग्रहण को चोरी छुपे तौर पर छत्तीसगढ़ राज्य में ले जाकर तथा अनूपपुर वन मंडल क्षेत्र में लाकर विक्रय करने की शिकायतें प्राप्त होती है जिस पर सतर्कता बरतते हुए निरंतर निगरानी रखी जाए। इस दौरान जिला यूनियन अध्यक्ष राकेश सिंह ने शाख कर्तन के कार्यों को करने वाले व्यक्तियों का समय पर भुगतान किए जाने की अपेक्षा की। इस वर्ष 4000 रुपये प्रति मानक बोरा के मूल्य से तेंदूपत्ता का संग्रहण तेंदूपता संग्रहको के द्वारा किया जावेगा। ज्ञातव्य है कि अनूपपुर जिला यूनियन में आठ समितियो के साथ 160 तेंदूपत्ता की फड़ संचालित होगे जिसके साथ 12 तेंदूपत्ता फड़ पेसा एक्ट के तहत संचालित है विगत वर्ष 2023-24 में 16972 मानक बोरा के खरीदी के लक्ष्य के विरुद्ध 18951.535 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण किया जाकर 111.66 प्रतिशत तेंदूपत्ता संग्रहित किया गया रहा है इस वर्ष 16764 मानक बोरा तेंदूपत्ता संग्रहण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिसके समय पर लक्ष्य की पूर्ति किए जाने की बात कही गई।

मुबारक माह रमजान की शुरुआत

अनूपपुर। इस्लाम धर्म को मानने वालों के लिए रमजान का महीना खास महत्व रखता है, जिसमें मुख्य रूप से रोजा रखना और अल्लाह की इबादत करना महत्वपूर्ण माना जाता है । रमजान को इबादत, रहमत और बरकतों वाला पवित्र महीना माना गया है । इस साल माह-ए-रमजान की शुरुआत रविवार, 2 मार्च से हो चुकी है। जिला मुख्यालय सहित कोतमा, बिजुरी, राजनगर, रामनगर, भालूमाड़ा, जमुना कालरी, बिजुरी, जैतहरी, वेंकटनगर, चचाई, राजेन्द्रग्राम, बरगवां, बदरा, अमलाई सहित ग्रामीण क्षेत्रों मे मुस्लिम समुदाय के लोगों के द्वारा रोजा रखा जा रहा है। रमजान में रोजा रखना हर मुसलमान के लिए फर्ज है क्योंकि रोजा इस्लाम के पांच मूलभूत स्तंभों में एक है। शाबान महीने के अंतिम दिन चांद का दीदार होने के बाद से ही रमजान महीने की शुरुआत हो जाती है जो इस्लामिक चंद्र कैलेंडर का नौवां महीना होता है। इस पूरे महीने रोजेदार रोजा रखते हैं। 29-30 दिनों का रोजा पूर्ण होने के बाद ईद का त्योहार मनाया जाता है। रमजान में पूरे महीने नियमित रूप से रोजा रखा जाता है और इस दौरान पांच वक्त की नमाज भी अदा की जाती है। इसे फजिर, दुहर, असर, मगरिब और इशा की नमाज कहते हैं। रोजे की शुरुआत सुबह सूरज निकलने के कुछ समय पहले ही हो जाती है । इस समय रोजेदार हल्का भोजन करते हैं जिसे 'सहरी' कहते हैं । सहरी करने के साथ ही व्रत का संकल्प लिया जाता है । सहरी के बाद पूरे दिन खाना-पीना वर्जित होता है। इसके बाद शाम में इफ्तार की जाती है। रोजा में अन्न-जल के साथ ही मन में आ रहे बुरे विचारों का भी त्याग करना और गुनाहों से तौबा करना होता है । कोतमा नगर में मुस्लिम समुदाय के लोगों के द्वारा अलग-अलग स्थान पर इकट्ठे होकर शाम के वक्त रोजा इफ्तार करते हैं।

प्रधानमंत्री इंटननशिप योजना के तहत डिंडौरी जिले को मिला 500 पंजीयन का लक्ष्य

डिंडौरी

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (PMIS) कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। इस योजना का मुख्य उद्दे श्य युवाओं को भारत की शीर्ष 500 कंपनीयों में इंटर्नशिप के अवसर प्रदान कर रोजगारपरक बनाना हैं। यह कार्यक्रम युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में वास्तविक जीवन के व्यवसायिक वातावरण से अवगत करवाना है, जिससे उन्हें व्यावहारिक कौशल एवं कार्यानुभव प्रदान करने में मदद मिले तथा राथ ही इंटर्नशिप के दौरान युवाओं को उद्योग-उन्मुख प्रशिक्षण, नवीनतम तकनीक एवं प्रक्रिया के माध्यम से प्रशिक्षण एवं नियमित रोज़गार प्राप्त करने की योग्यता अर्जित करने का अवसर प्राप्त होगा। पीएम इंटर्नशिप योजना के तहत ऐसे युवा पात्र हैं, जिनकी आयु 21 से 24 वर्ष के मध्य है, जिनकी शैक्षणिक योग्यता 10वीं या उससे उच्च है। इंटर्नशिप के दौरान युवाओं को राशि रु. 5000 प्रतिमाह स्टाइपेण्ड एवं इंटर्नशिप प्रारंभ होने पर एकमुश्त राशि रु. 6000 प्राप्त होगी। इंटर्नशिप की अवधि 12 माह होगी। डिंडौरी जिले को 500 पंजीयन का लक्ष्य प्राप्त हुआ है।

राज्य स्तरीय शिविर के तृतीय दिवस स्वयंसेवकों ने किया श्रमदान

अमरकंटक के पुष्पराज घाट पर आमजन को किया जागरूक

अमरकंटक। राज्य एनएसएस अधिकारी डॉ. मनोज अग्निहोत्री ने बताया कि मध्यप्रदेश राज्य स्तर नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर अमरकंटक के तृतीय दिवस पर प्रदेश के कोने कोने से सहभागिता करने आए स्वयंसेवकों ने परियोजना कार्य के रूप में मां नर्मदा के पावन तट पर स्थित रामघाट, पुष्पराज घाट एवं शिविर स्थल नगरपालिका परिसर को स्वच्छ कर श्रमदान किया। स्वयंसेवकों ने प्रकृति के दुश्मन तीन, पाउच पानी और पालीथीन के नारों से घाट पर स्नान करने आए नागरिकों एवं भक्तजनों को जागरूक कर घाटों को प्लास्टिक एवं अन्य कचरे से मुक्त किया। तृतीय दिवस के बौद्धिक सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में मध्यप्रदेश निजी विनियामक आयोग के सदस्य डॉ. विश्वास चौहान ने ₹भारतीय संविधान में जीवन मूल्य₹ विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि भारत शब्द का अर्थ है जो ज्ञान में रत हैं, उसे भारत कहते हैं और ज्ञान रूपी प्रकाश में निरंतर निमग्न जन भारतीय कहलाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि भारतीय संविधान में निहित समता, बंधुता आदि शब्द हमारे भारत की लोकतांत्रिक मूल्यों में समाहित है। उन्होंने ह्वेनसांग व मेगस्थनीज के शब्दों को उद्धृत करते हुए कहा कि इस जन्म में ऐसा अच्छा कार्य करो कि अगला जन्म भारत में हो। उन्होंने अधिकारों के स्थान पर नागरिकों के कर्त्तव्यों की चर्चा की और कहा कि जब सभी नागरिक अपने कर्त्तव्यों का पालन करेंगे तो हमें अधिकारों के मांग करने की आवश्यकता ही नहीं होगी। राज्य एनएसएस अधिकारी डॉ. मनोज अग्निहोत्री ने कहा कि एनएसएस शिविर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं। कार्यक्रम समन्वयक जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर श्री हरिशंकर कंसाना ने कहा कि एनएसएस शिविर विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के साथ उनको राष्ट्र व समाज कार्यों की ओर प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वयंसेवक प्राची झरिया रहें एवं कार्यक्रम अध्यक्षता स्वयंसेवक राज जादौन ने की। बौद्धिक सत्र का संचालन स्वयंसेवक समीर खान ने किया एवं आभार कार्यकम अधिकारी डॉ. बक़ील सिंह कौशल ने माना। प्रातः काल ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्वयंसेवकों द्वारा प्रभात फेरी का आयोजन किया गया एवं तत्पश्चात डॉ. मनजीत सिंह सलूजा द्वारा मन, आत्मा एवं शरीर के स्वास्थ्य हेतु स्वयंसेवकों को योगाभ्यास कराया गया। इससे एक दिन पूर्व रात्रि में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर एवं जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर के स्वयंसेवकों द्वारा लोकनृत्य, लोकगीत, नुक्कड़ नाटक, कविता आदि विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, बुधवार 5 मार्च 2025

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

उत्कृष्ट विद्यालय में कक्षा 9 वीं की प्रवेश चयन परीक्षा 9 मार्च को

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिला स्तरीय उत्कृष्ट विद्यालय में कक्षा 9 वीं के लिए प्रवेश चयन परीक्षा 2025- 26 रविवार 9 मार्च को प्रातरू 10रू15 से दोपहर 12रू15 बजे तक आयोजित की जायेगी। परीक्षार्थी को परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश- पत्र, फोटोयुक्त परिचय पत्र एवं काली स्याही के 2 बालपाइंट पेन के साथ प्रातरू 9 बजे उपस्थित होना अनिवार्य होगा। परीक्षार्थी परीक्षा के प्रवेश पत्र के लिए मप्र राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड की वेबसाइट.उचवे. उचवदसपदम. हवअ.पद से आवेदन क्रमांक एवं जन्मतिथि दर्ज कर डाउनलोड कर सकते हैं। प्रवेश चयन परीक्षा के लिए जिले की शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उमा विद्यालय नरसिंहपुर, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर, शासकीय एसडीएम कन्या उमा विद्यालय स्टेशनगंज नरसिंहपुर एवं शासकीय नेहरू उमा विद्यालय नरसिंहपुर को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है।

मुख्यमंत्री आज ग्राम लोलरी आयेंगे

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार 5 मार्च को जिले के तेंदूखेड़ा विकासखंड के ग्राम लोलरी आयेंगे और स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। जारी दौरा कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार 5 मार्च को सायं 4.50 बजे डुमना एयरपोर्ट से हेलीकॉप्टर द्वारा प्रस्थान कर सायं 5.25 बजे जिले के तेंदूखेड़ा विकासखंड के ग्राम लोलरी के हेलीपैड आयेंगे। मुख्यमंत्री यहां स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके पश्चात सायं 5.50 बजे ग्राम लोलरी हेलीपैड से हेलीकॉप्टर द्वारा स्टेट हैंगर भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

पीएम इंटरशिप योजना के तहत पंजीयन 12 मार्च तक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। पीएम इंटरशिप योजना के तहत जिले के कक्षा 10 वीं, 12 वीं, ग्रेजुएट डिप्लोमा एवं आईटीआई उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थी इंटरशिप करने के लिए 12 मार्च तक पोर्टल ओपन किया गया है वे पंजीयन एवं आवेदन कर सकते हैं। वे ही छात्र- छात्रायें पोर्टल पर पंजीयन कर सकते हैं, जिनकी आयु 21 से 24 वर्ष होनी चाहिये। प्राचार्य शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नरसिंहपुर ने जिले की गाडरवारा, गोटेगांव, तेंदूखेड़ा व बाबई चीचली के शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के प्राचार्यों से कहा है कि वे पीएम इंटरशिप योजना के तहत विद्यार्थियों का अधिक से अधिक पंजीयन एवं आवेदन करायें।

20 मार्च तक फार्मर आईडी बनाये जाने की कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश

पीएम किसान सम्मान निधि के तहत फार्मर आईडी अनिवार्य

फार्मर आईडी जनरेट करने की कार्यवाही अभियान के रूप में पूर्ण करने जिले में आयोजित होंगे कैम्प

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। भारत सरकार एवं किसान कल्याण मंत्रालय की एग्रीस्टेक योजना के तहत पाप्त निर्देशों के परिपालन में प्रदेश में फार्मर रजिस्ट्री बनाये जाने की कार्यवाही के लिए निर्देश जारी किये गये हैं। इसके अंतर्गत प्रत्येक कृषक भूमिस्वामी को एक यूनिक आईडी भारत सरकार द्वारा जनरेट कर प्रदान की जा रही है। इससे कृषकों को आसानी से केसीसी से ऋण कम्प्यूटरीकृत प्रक्रिया के माध्यम से प्राप्त हो सकेगी और हितग्राही मूलक योजनाओं के लिए लक्ष्य निर्धारण व कम्प्यूटरीकृत प्रणाली से सत्यापन की प्रक्रिया सुनिश्चित की जा सकेगी।

फार्मर आईडी जनरेट करने की कार्यवाही अभियान के रूप में पूर्ण करने के लिए कैम्प आयोजित किये जायेंगे। इसके लिए प्रत्येक कैम्प के लिए तीन समान किस्तों में 15 हजार रुपये की राशि दी जायेगी। प्रदेश में 100 लाख फार्मर आईडी बनाये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसके विरूद्ध 58 लाख फार्मर आईडी बनाई जा चुकी है, शेष 20 लाख फार्मर आईडी बनाये जाने के लक्ष्य को पूर्ण करने के लिए कैम्प का आयोजन किया जायेगा।

इस कार्यवाही के लिए कलेक्टर को जिला नोडल अधिकारी एवं भू-अधीक्षक नियमित को सहायक जिला नोडल अधिकारी बनाया गया है। सहायक

नोडल अधिकारी कैम्प की जानकारी अद्यतन करने एवं कैम्प आयोजन के लिए आवश्यक समन्वयक व अधिकारियों द्वारा कैम्प भ्रमण की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। इसकी प्रक्रिया भी भारत सरकार के निर्देश में विहित की गई है। इसी अनुक्रम में शिविर आयोजित कर आयुक्त भू-अभिलेख द्वारा जारी निर्देशों का पालन करना सुनिश्चित करेंगे। प्रत्येक कैम्प में भारत सरकार द्वारा कुल 15 हजार रुपये की राशि दी जायेगी। गांवों के कल्स्टर से पीएम किसान डाटाबेस अनुसार कम से कम 50 प्रतिशत किसानों को रजिस्ट करने के लिए यह तीन राशि तीन किश्तों में देय होगी, जिसमें 5 हजार रुपये की राशि प्रथम 15 प्रतिशत, 5 हजार रुपये की राशि आगामी 15 प्रतिशत और 5 हजार रुपये की राशि आगामी 20 प्रतिशत फार्मर आईडी जनरेट करने पर प्राप्त होगी। यह राशि फार्मर आईडी एवं खसरा आधार लिंकिंग के लिए नियत कार्यवाही पूर्ण करने पर प्राप्त की जा सकेगी।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत मार्च 2025 से फार्मर आईडी की अनिवार्यतरू एवं विशेष केन्द्रीय सहायता के तहत इंसेटिव राशि के संबंध में यह आवश्यक है कि प्रत्येक भूमिस्वामी कृषक के लिए फार्मर आईडी युद्धस्तर पर बनाई जाना है। इस संबंध में अपर कलेक्टर ने नरसिंहपुर, करेली, गोटेगांव, गाडरवारा, तेंदूखेड़ा एवं सांईखेड़ा के तहसीलदार व नायब तहसीलदार को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा है कि कैम्प की जानकारी प्रति दिवस सायं 5 बजे तक भू- अभिलेख कार्यालय नरसिंहपुर में भेजना सुनिश्चित करेंगे और फार्मर आईडी बनाये जाने की कार्यवाही 20 मार्च तक पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करेंगे।

चोरों ने चुराई खेत में खड़ी चने की फसल

चोर किसान के खेत में खड़ी 1 एकड़ चने की फसल काट ले गए

चोरों की तलाश में इधर-उधर भटक रहा पीड़ति किसान

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। नरसिंहपुर जिले से एक अनोखी घटना सामने, जिसने पुलिस को भी अचरज में डाल दिया है। दरअसल, चोरों ने बीते 2 मार्च की रात एक खेत में खड़ी चने की फसल चोरी कर ली। इस घटना के बाद से क्षेत्र में हड़कंप मचा गया है। पीड़ति किसान का दावा है कि चोरों ने 10 क्विंटल चने की फसल पार कर दी, जिससे करीब उसे 50 हजार रु का नुकसान हुआ है। पीड़ति किसान ने कहा वह जब इस मामले की शिकायत करने पुलिस थाने में गया तो पुलिस ने रिपोर्ट नहीं दर्ज की।

1 एकड़ जमीन से चने की खड़ी फसल चोरी

यह पूरा मामला नरसिंहपुर जिले के करेली थाना अंतर्गत नारगी गांव का है. पीड़ति किसान प्रदीप कौरव इस गांव के सरपंच है। प्रदीप ने तीन एकड़ खेत में चने की फसल लगाई हुई है। चने की फसल अभी पूरी तरह पकी नहीं है, लेकिन थोड़ी जगह में चना काटने के लिए एकदम तैयार स्थिति में था। प्रदीप सोमवार की सुबह जब अपने खेत पर गए, तो उन्होंने देखा कि उनकी लगभग एक एकड़ खेत की फसल गायब है। प्रदीप ने इसकी शिकायत थाने में दर्ज कराने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया।

खेत में अक्सर होती थी छोटी-मोटी चोरी

प्रदीप कौरव ने बताया कि उनके खेत से अक्सर चोरी होती है । लेकिन यह चोरियां छोटी-मोटी होती थीं ,थोड़ी बहुत फसल लोग उठाकर ले जाते थे । लेकिन इस बार तो चोरों ने करीब 1 एकड़ में लगी चने की पूरी फसल ही काट ली। प्रदीप ने कहा,घटना की जब जांच की गई तो पता लगा कि देर रात एक ट्रैक्टर खेत पहुंचा था। इसी ट्रैक्टर में सवार होकर कुछ लोग खेत आए थे. सीसीटीवी में ट्रैक्टर को खेत पर आते-जाते देखा जा सकता है।

पुलिस कर रही मामले की जांच

करेली थाना प्रभारी सुभाष बघेल ने बताया प्रदीप कौरव ने खेत में हुई चने की चोरी की जानकारी एक पत्र के माध्यम से करेली थाने को दी है। इस मामले से जुड़े हुए सभी पहलू जांचे जा रहे हैं। सामान्य तौर पर खेत से फसल चोरी होना आसान काम नहीं होता है। अक्सर ऐसे मामलों में जमीनी विवाद बड़ी वजह होती है। यदि यह काम चोरों ने किया है, तो उन्हें पकड़ने की कोशिश भी की जाएगी।

राष्ट्रीय और साइबर सुरक्षा के लिए जागरूकता जरूरी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस प्रतिवर्ष 4 मार्च को मनाया जाता । जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण को संरक्षण देना है और इस साल इसकी थीम विकसित भारत के लिए सुरक्षा और कल्याण महत्वपूर्ण रखी गई थी। जिसे आधार बनाकर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के त्रैमासिक कैलेंडर के अनुसार आंतरिक उच्च गुणवत्ता प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में प्राचार्य आर. बी. सिंह, भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ प्रीति कौरव व सह-संयोजक डॉ नमिता साहू, डॉ अमित तामकर के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस मनाया गया जहां विषय विशेषज्ञ के रूप में तहसीलदार संजय मेश्राम व उप-निरीक्षक आशीष कुमार को आमंत्रित किया गया। अतिथियों के द्वारा सरस्वती पूजा व दीप प्रज्वलन के पश्चात संयुक्ता की सुमधुर वाणी में सरस्वती वंदना की गई और ललिता दुबे के द्वारा अतिथियों का तिलक लगाकर पुष्प गुच्छ से स्वागत के साथ सुश्री इंदु सिंह के संचालन में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित हुई जिसमें पर्यावरण, सामाजिक और शासन की उत्कृष्टता के लिए सुरक्षा नेतृत्व विषय पर परिचर्चा, साइबर सुरक्षा विषय पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान एवं प्रेरणाप्रद वीडियो का प्रदर्शन, राष्ट्रीय सुरक्षा विषय पर स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों के व्याख्यान, राष्ट्रीय सुरक्षा से सम्बन्धित पोस्टर प्रतियोगिता सहित उपस्थित विद्यार्थियों को तहसीलदार व उप-निरीक्षक के माध्यम से महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। छात्र-छात्राओं को उदाहरणों के माध्यम से साइबर क्राइम से किस तरह बचा जा सकता और अपने आपको सुरक्षित रखा जा सकता के बारे में विस्तार से बताया गया और किसी तरह के फ्रॉड की स्थिति में हेल्पलाइन नम्बर पर शिकायत दर्ज कर सकते यह जानकारी प्रदान की गई। अर्थशास्त्र विभाग के प्राध्यापक प्रशांत कुमार शर्मा, अनिमेष पटेरिया व सभी छात्र-छात्राओं की सहभागिता से कार्यक्रम आयोजित हुआ।

5 व 6 मार्च को जनपद पंचायत नरसिंहपुर की तीन ग्राम पंचायतों में वाटर शेड यात्रा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। संचालक राजीव गांधी जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधघ्न मिशन भोपाल के निर्देशानुसार वाटरशेड यात्रा अभियान का आयोजन वाटरशेड विकास घटक, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 के अंतर्गत चयनित ग्रामों में किया जाना है। दूसरे घटक के अंतर्गत परियोजना क्रमांक 3 जनपद पंचायत नरसिंहपुर की ग्राम पंचायत डोंगरगांव, मुर्गाखेड़ा, अमोदा व कुरेला में 5 व 6 मार्च को वाटरशेड यात्रा अभियान का आयोजन किया जायेगा। इसका मुख्य उद्देश्य है कि विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों का आयोजन कर जनप्रतिनिधियों व स्थानीय स्तर पर अधिक से अधिक ग्रामीणों तक प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना- वाटरशेड विकास 2.0 परियोजना की उपयोगिता, किये गये कार्यों, इनके परिणामों और इनसे ग्रामीणों को प्राप्त हुए लाभों के बारे में जागरूकता व सहभागिता को बढ़ावा देना है।

हत्या के प्रयास के दो आरोपी हुये गिरफ्तार

पुलिस अधीक्षक सुनील मेहता एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जी.डी. शर्मा एवं श्रीमती पूजा पाण्डेय अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) सिवनी के कुशल मार्गदर्शन में गुंडा बदमाशों एवं चाकूबाजो पर निरंतर अंकुश लगाने के विरूद्ध लगातार कार्यवाही की जाती रही है। बीते 26 फरवरी 2025 को महाशिवरात्रि होने से पुलिस हर चौक चौराहों पर मुस्तैद थी उसी दौरान बारापत्थर क्षेत्र में चाकूबाजी की घटना हुई। कोतवाली थाना प्रभारी सतीश तिवारी द्वारा घटना को गंभीरता से लेते हुये तुरंत मौके पर जाकर हमराह स्टाफ के घटना तस्दीक कर आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही की गई।विगत 26 फरवरी को महाशिवरात्रि पर्व के दिन प्रार्थी सत्यम बघेल ने रिपोर्ट दर्ज करायी थी कि पुस्तैनी जायजाद बेचने के वाद विवाद के चलते मनीष बघेल एंव उसके साथियो ने कार से आकर घायल को गाली गलौच कर चाकू से जानलेवा हमला किया गया था जिससे आवेदक को गंभीर व प्राणघातक चोट आई है। घटना उपरांत आरोपीगण मौके से फरार हो गये थे घटना को गंभीरता से लेते हुये आरोपियों के विरूद्ध अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया।

जनसुनवाई में आये 90 आवेदन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर कार्यालय नरसिंहपुर के जनसुनवाई हाल में मंगलवार 4 मार्च को जिले के विभिन्न स्थानों से पहुंचे लोगों ने सीईओ जिला पंचायत श्री दलीप कुमार एवं अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह को अपनी समस्यायें बताई और आवेदन दिये। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवेदनों के समय सीमा में निराकरण के निर्देश दिये। उन्होंने विभिन्न आवेदनों का मौके पर भी निराकरण कराया। कलेक्ट्रेट में हुई जनसुनवाई में 90 आवेदन आये।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को 20 वर्ष का सश्रम कारावास

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। माननीय न्यायालय, द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश डॉ श्रीमती अंजली पारे के न्यायालय द्वारा नाबालिग के साथ दुष्कर्म के प्रकरण में आरोपी अरविंद नौरिया आ0 सुखराम नौरिया आयु 21 वर्ष, निवासी- ग्राम रिछावर, थाना पलोहा, जिला नरसिंहपुर (म.प्र.) को दोषसिद्ध पाते हुए आरोपी को लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 में 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 10000- जुर्माना सें तथा भादवि की धारा 366 में 5 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 5000- जुर्माना व धारा 506 (भाग-दो) में 03 वर्ष सश्रम कारावास एवं 1000-जुर्माना से दंडित किया गया। जिला अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी द्वारा बताया गया कि अभियोक्त्री ने दिनांक 20.06.2024 को थाना गाडरवारा में इस आशय की रिपोर्ट लेखबद्ध कराई कि दिनांक 18.06.2024 को दोपहर करीब 02 बजे अभियोक्त्री और उसके बडे पिता का पुत्र कपडे खरीदने मोटरसायकल से गाडरवारा जा रहे थे तब उन्हें रास्ते में आरोपी मिला जो उनके साथ गाडरवारा गया था और कपडे क्रय करने के पश्चात शाम करीब 06 बजे वापस लौटे और 07.30 बजे जब गांव के करीब पहुंचे, जहां उनकी मोटरसायकल बंद हो जाने से अभियोक्त्री का भाई मोटरसायकल को धक्का देते हुए गांव की तरफ आगे चला गया और अभियोक्त्री तथा आरोपी पीछे-पीछे पैदल चल रहे थे और जैसे ही वे स्कूल के पास पहुंचे तब आरोपी ने अभियोक्त्री का मुंह बंद करके उसे गन्ने के खेत में ले गया और दुप्पटे से उसका मुंह और हाथ बांध दिये तथा अभियोक्त्री के साथ गलत काम किया और इसके पश्चात अभियोक्त्री को घटना के संबंध में किसी को बताये जाने पर जान से मारने की धमकी दी। इसी दौरान रात्रि करीब 08.30 बजे अभियोक्त्री का भाई आवाज लगाते हुए उसे ढूंढने आया तो आरोपी वहां से भाग गया, जिसके पश्चात अभियोक्त्री ने घटना के संबंध में पूरी बात अपने भाई को बता कर उसके साथ घर चली गई और घर में भी डर के कारण किसी को भी कुछ नहीं बताया और दूसरे दिन अभियोक्त्री के माता पिता के घर आने पर उन्हें घटना के संबंध में बताया। अभियोक्त्री की रिपोर्ट पर आरक्षी केन्द्र गाडरवारा में देहाती नालसी लेखबद्ध की गई, जिसके आधार पर आरक्षी केन्द्र पलोहा बडा में प्रथम सूचना रिपोर्ट लेख की जाकर मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया जाकर अभियोक्त्री का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया।

स्वस्थ समाज राष्ट्र की प्रगति में सहायक

उप स्वास्थ्य केंद्र के शुभारंभ अवसर पर बोले विधायक

तेंदूखेड़ा। किसी भी राष्ट्र की प्रगति में नागरिकों का स्वास्थ्य रहना जरूरी है।उक्ताशय के विचार ग्राम मदनपुर में विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ने 50 लाख रुपए की लागत से बने आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केंद्र के लोकार्पण अवसर पर व्यक्त किए सरस्वती पूजन एवं स्वागत की औपचारिकता के साथ शुभारंभ हुये इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्री पटेल ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति सीधे उसके नागरिकों के स्वास्थ्य पर निर्भर करती है हमारी सरकार स्वास्थ्य के विषय में कई महत्वपूर्ण योजनाएं चला रही है भारत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में प्रारंभ की गई आयुष्मान योजना से करोड़ों लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही है जिस देश के नागरिक स्वस्थ होंगे उस देश की प्रगति भी तेज गति से होगी एक समय था जब इलाज में लोगों के घर जमीने गहने सब बिक जाते थे। गंभीर बीमारी के इलाज का खर्च सुनते ही गरीब की आत्मा कांप जाती थी। पैसे की कमी की वजह से इलाज न करा पाने की बेबसी गरीब को तोड़ कर रख देती थी इसलिए ही माननीय प्रधानमंत्री ने आयुष्मान योजना प्रारंभ की।मध्य प्रदेश सरकार स्वास्थ्य की दिशा में कई योजनाएं चलाई जा रही जिनमें जननी सुरक्षा योजना राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम मिशन इंद्रधनुष दस्तक अभियान मुख्यमंत्री बीमारी सहायता योजना दीनदयाल अंत्योदय उपचार योजना मोबाइल स्वास्थ्य क्लिनिक राज्य बीमारी सहायता निधि ये गरीबों के लिए सार्थक साबित हो रही है। इसके पूर्व ब्लाक मेडीकल आफीसर डा राजकिशोर पटेल ने विधायक का पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मान किया।इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य देवेन्द्र गंगोलिया रामकुमार ठाकुर मंडल अध्यक्ष सोनू महाराज सरपंच श्रीमती माया खरे सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी गण एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

बस खाई में गिरी: 10 यात्री घायल, 4 गंभीर रिफर

तेंदूखेड़ा। सुबह गंगई से जबलपुर जाने वाली सिंह ट्रेवल्स की बस क्रमांक एम पी ए 0309 शाम के समय जबलपुर से लौटते समय गंगई के समीप ही गाडरवारा तेंदूखेड़ा सड़क मार्ग पर दाने बाबा की पहाड़ी के समीप अज्ञात कंटेनर के द्वारा कट मार देने की स्थिति में बचाव के चलते बस असंतुलित होकर खाई में जा गिरी। जिसमें सबार यात्रियों में से 10 को चोटें आई हैं। इनमें 4 को गंभीर चोटें आने की स्थिति में नरसिंहपुर जिला चिकित्सालय रिफर किया गया है। घटना की जानकारी लगते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्काल पीड़ितों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। घायलों में मट्ठूलाल पिता नर्मदा प्रसाद नोरिया वैजन्ती पति मेहबूब खान प्रेमवती पति स्व० केवल सिंह पटेल शीला बाई पति इमरत केवट यशवंत हरगोविंद लोधी सविता पति राकेश लोधी, मालती पति स्व ० धनराज विश्वकर्मा खोम पिता लखन लाल केवट पार्वती बाई पति सोमपाल केवट प्रमुख रुप से शामिल हैं।